

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (म0प्र0)

— कार्य विभाजन आदेश —

क्रमांक / 292 / सां0अनु0-45 / 2024

टीकमगढ़, दिनांक :- 22, अप्रैल, 2024

मैं हिलेन्द्र सिंह सिसौधिया, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश टीकमगढ़ (म.प्र.), मध्यप्रदेश सिविल न्यायालय अधिनियम 1958 की धारा 15 की उपधारा (1), धारा 10(दो) तथा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 194, 381(2), 408 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों के पालन में, पूर्ववर्ती समस्त कार्य-विभाजन आदेश को निरस्त करते हुए, वर्तमान में न्यायिक जिला टीकमगढ़ में पदस्थ सभी न्यायालयों हेतु आगामी आदेश तक कार्य किये जाने हेतु निम्नानुसार कार्य-विभाजन करता हूँ :-

यह कार्यविभाजन आदेश दिनांक 22-04-24 से प्रभावशील होकर आगामी कार्यविभाजन आदेश पारित होने तक प्रभावशील रहेगा।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
उच्चतर न्यायिक सेवा के अधिकारीगण हेतु :-				
मुख्यालय टीकमगढ़				
1	प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश टीकमगढ़ (हिलेन्द्र सिंह सिसौधिया)	सम्पूर्ण राजस्व जिला टीकमगढ़ अंतर्गत तहसील टीकमगढ़ परदेसगढ़, सरमापुर एवं बडगांव	1	बस करोड़ रुपये से अधिक मूल्यांकन के समस्त सिविल वाद प्रवर्तन आवेदन पत्र तथा सिविल विधि मामला।
			2	म0प्र0 नगर पालिका अधिनियम के अंतर्गत जिला टीकमगढ़ अंतर्गत प्रवृत्त समस्त चुनाव शकियताएं।
			3	व्यवहार प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत ट्रांसफर आरु कॅमेच से संबंधित आवेदन पत्र।
			4	लोक परिसर (अनाधिकृत अधिभूत धारियों से निष्कासन) (एविकशन आफ अन अथराइज्ड ओक्यूपेंट) अधिनियम 1971 (Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971) के अंतर्गत अपीलें।
			5	इसी न्यायालय व बाह्य अधिकरण द्वारा पारित निर्णय आदेश से संबंधित निष्पादन एवं विविध प्रकरण व अपीलें आदेश का क्रियावदन।
			6	मोटरवाहन अधिनियम 1988 के अंतर्गत समस्त वाहन दुर्घटना दावे प्रकरण एवं प्रवर्तन आवेदनपत्र (ध्यान- जलवा, कलर, डिपॉजिटर, कन्वेयर, कम्प्लीकेशन, निवारण, टहसिल, सिमर, ड्राइवर, अंतर्गत सेवरी जरीन के अंतर्गत जाने वाले प्रकरणों को छोड़कर) अन्य सम्पूर्ण जिले के थाना क्षेत्र में संबंधित वाहन दुर्घटना दावे प्रकरण एवं अन्य सभी कलेग शकियताएं।
			7	दीवानी प्रकरणों के अंतरण हेतु आवेदनपत्र।
			8	सेन्ट कन्ट्रोलिंग अर्बोटी, टीकमगढ़ के आदेशों के विरुद्ध अपीलें।
			9	मध्यप्रदेश पंचाक्त अधिनियम, 1961 की धारा 262 के अंतर्गत रिक्वेस्ट।
			10	समस्त आवेदनपत्र/अपीलें/रिक्वेस्ट जो कि अन्य अधिनियम के अंतर्गत प्रवृत्त हैं, जिन्हें अन्य निकायों को आवंटित न किया गया है।
			11	सती निवारण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत प्रकरण।
			12	नगरपालिका अधिनियम से संबंधित (टैक्स से) अपील प्रकरण। समस्त व्यवहार न्यायाधीश करिड, खण्ड एवं कनिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ द्वारा शासन के विरुद्ध पारित अन्वार्ड, गिरेजाजा/डिकी/निर्णय से उत्पन्न विविध एवं नियमित समस्त अपीलें।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			13	आदेश 21 नियम 8 व्यवहार प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत बाल से आने वाली समस्त इजराय/टी.सी
			14	नू-अर्जन के अंतर्गत रिफॉर्स व अपील।
			15	ऐसे अन्य समस्त प्रकरण व आवेदनपत्र जो सामान्य, स्थानीय और विशेष अधिनियम के अंतर्गत जिला जज की सुनवाई योग्य हों, जिनके संबंध में अन्यत्र निर्देश न दिया गया हो।
			16	<u>विशेष न्यायाधीश</u> कोर्टसिस्टम के तहत कोर्टसिस्टम डिपेंडेंट एवं कोर्टसिस्टम अपीलर डिपेंडेंट ऑफ उच्च न्यायालय अधिनियम 2015 के प्राधान्य अंतर्गत उत्पन्न प्रकरण।
			17	घाटक दुर्घटना (फैंटल एक्सीडेंट एक्ट 1885) के समस्त प्रकरण।
			18	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध व निष्पान्त प्रकरण।
			19	विशेष अनुवांश अधिनियम, 1985 की धारा 20बी के प्रकरण।
			20	<u>व्यवहार अपील</u> समस्त उच्च न्यायाधीश विधि, संपन्न टीकमगढ़ तथा समस्त व्यवहार न्यायाधीश कोर्ट सभ्य टीकमगढ़ के न्यायालयों के द्वारा पारित निर्णयों, आइतियों एवं आदेशों से उत्पन्न समस्त व्यवहार अपील।
			21	समस्त प्रशिक्षु न्यायाधीश/अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ सभ्य, टीकमगढ़/प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ सभ्य टीकमगढ़ के न्यायालय के प्रथम/द्वितीय/तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश के न्यायालयों के द्वारा पारित निर्णयों, आइतियों एवं आदेशों से उत्पन्न <u>समस्त व्यवहार अपीलें</u> ।
			22	ग्राम न्यायालय, टीकमगढ़ से उत्पन्न विविध नियमित एवं विविध अपील।
2-	१.	सम्पूर्ण सत्र सभ्य, टीकमगढ़	1	समस्त सत्र विचारण।
			2	आपराधिक पुनरीक्षण।
			3	आपराधिक अपीलें
			4	सत्र प्रकरणों तथा आपराधिक अपीलों से संबंधित विविध आपराधिक प्रकरण तथा जमानत आवेदन-पत्र अंतर्गत धारा 438, 439 द.प्र.सं।
			5	मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 (Protection of Human Rights Act, 1993 - India Code) के अंतर्गत उच्च वरिष्ठार्य।
			6	दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत ट्रांसफर ऑफ केसेस से संबंधित आवेदन पत्र।
			7	संश्लेषण की धारा 408 एवं 409 के अंतर्गत आवेदन।
			8	बालकों के विरुद्ध अपराधों अथवा बाल अधिकारों के अतिक्रमण की अपराधों (बाल अधिकार अधिनियम 2015) से संबंधित प्रकरण।
			9	खाद्य अपभ्रंश एवं गिरावट अधिनियम के अधीन न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा विचारित दण्डिक प्रकरणों से उत्पन्न दण्डिक अपील।
			10	शिखीर न्याय बोर्ड टीकमगढ़ के द्वारा विचारित प्रकरणों से उत्पन्न समस्त दण्डिक अपील।
			11	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध प्रकरण।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			12	ऐसे अन्य समस्त मामले जो अन्य न्यायालयों को नहीं सौंपे गये हों और सत्र न्यायालय के प्रवक्ताधिकार क्षेत्र के हों।
			13	ग्राम न्यायालय, टीकमगढ़ से संबंधित अपीलें।
3-	विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज) एवं प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ के न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश टीकमगढ़ (श्रीमति प्रदीपा च्यास)	राजसू जिला टीकमगढ़ तहसील टीकमगढ़ एवं बल्देवगढ़	1	प्रमाण, जिला न्यायाधीश द्वारा अंतर्गत समस्त सिविल वाद, अपीलें एवं अन्य कार्यवाहियाँ।
			2	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
4-	---	सम्पूर्ण सत्र खण्ड, टीकमगढ़	1	विशेष न्यायाधीश - अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (Scheduled Caste and Scheduled Tribe (Prevention of Atrocities) Act, 1989) के अंतर्गत अपराधों से संबंधित विशेष प्रकरण तथा प्रतिभूति आवेदनपत्र तथा विविध आपराधिक प्रकरण।
			2-	विशेष न्यायाधीश - स्वायत्त शक्ति एवं सहायक न्यायाधीश अधिनियम (Narcotic-Drugs-and-Psychotropic-Substances-Act-1985) के अंतर्गत अपराधों से संबंधित विशेष प्रकरण रिमांड तथा प्रतिभूति आवेदनपत्र तथा विविध आपराधिक प्रकरण (रजिस्ट्री अधिसूचना क्रमांक 2/2852/टीन-3-3/06 दि. 10.04.2024)
			3	विशेष न्यायाधीश - राष्ट्रीय जांच एजेंसी अधिनियम 2008 (National Investigation Agency Act, 2008) के अधीन सडिक प्रकरण (रजिस्ट्री जयपुर के जमानत सी/1814/टीन-8-4/10 दिनांक 23.04.2022 के फालत में अधिसूचित)।
			4	सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ द्वारा अंतरित सत्र प्रकरण, आपराधिक अपीलें, आपराधिक पुनरीक्षण तथा जमानत आवेदनपत्र।
			5	उक्त प्रकरणों से उत्पन्न सभी विविध आपराधिक प्रकरण।
			6	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध प्रकरण।
5-	प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री मनोज कुमार)	राजसू जिला टीकमगढ़ तहसील टीकमगढ़ एवं बल्देवगढ़	1	एक करोड़ एक रुपए से दस करोड़ रुपए मूल्यवान तक के समस्त सिविल वाद प्रवर्तन आवेदनपत्र तथा सिविल विधि मामला।
			2	आरबिट्रेशन एण्ड कन्सोलिडेशन एक्ट, 1996 (Arbitration and Conciliation Act, 1996) की धारा 9 व 11 के अंतर्गत तथा धारा 34, 38 के अंतर्गत आवेदन एवं निष्पादन प्रकरण।
			3	लघुवाद दावे रुपये 501 से 1,000 तक।
			4	इंडियन ट्रस्ट एक्ट (THE INDIAN TRUSTS ACT, 1882) के अंतर्गत प्रकरण।
			5	भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के प्रकरण (भाग-10) को छोड़कर।
			6	प्रोविंशियल इन्सोल्वेंसी एक्ट (The Provincial Insolvency Act, 1920) के अंतर्गत दावे याधिकार्ये।
			7	निराकृत सिविल वादों/ मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों में पारित आज्ञाएं तथा अवाई के प्रवर्तन प्रकरण/विधि सिविल प्रकरण

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			8	तृतीय/चतुर्थ जिला न्यायाधीश, टीकमगढ़ द्वारा निराकृत सिविल याचों/ मोटर दुर्घटना तथा प्रकरणों में पारित अज्ञाति तथा अवार्ड के प्रवर्तन प्रकरण/विधि सिविल प्रकरण। उक्त न्यायालयों के आदेश/निर्णय से उत्पन्न होकर अपील न्यायालय के आदेश के पालन में की जाने वाली समस्त कार्यवाहियां।
			9	मोटर दुर्घटना तथा प्रकरण तथा प्रवर्तन आवेदनपत्र जो कि प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जायें।
			10	प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित समस्त सिविल याच, अपील एवं अन्य कार्यवाहियां।
			11	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विधि एवं निष्पादन प्रकरण।
			12	समस्त आवेदन अपील मुख्य न्यायालय टीकमगढ़ में पूर्व से प्रेषित/पारित समस्त आवेदन न्यायाधीश करण/विधि एवं अन्य कार्यवाहियों/निर्णयों पर/आदेशों/निर्णयों से उत्पन्न हो गयी है। के अलावा/इसके अतिरिक्त समस्त आवेदन अपील।
6-	-	सम्पूर्ण सत्र सत्र, टीकमगढ़	1	विशेष न्यायाधीश-जिला न्यायालय अधिनियम 1947 एवं 1988 के अंतर्गत उत्पन्न आदेश प्रकरण एवं संबंधित रिमांड तथा जमानत आवेदनपत्र।
			2	सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ द्वारा अंतरित सत्र प्रकरण आपराधिक अपील, आपराधिक पुनरीक्षण तथा जमानत आवेदनपत्र।
			3	लंबित सत्र प्रकरण आपराधिक अपीलों से संबंधित विधि आपराधिक प्रकरण व जमानत आवेदनपत्र अंतर्गत धारा 438, 439 द.प्र.स।
			4	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विधि प्रकरण।
7-	तृतीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता)	समस्त जिला टीकमगढ़	1	प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित समस्त सिविल याच, अपील एवं अन्य कार्यवाहियां।
			2	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विधि एवं निष्पादन प्रकरण।
8	-	सत्र सत्र टीकमगढ़	1	विशेष न्यायाधीश-जिला न्यायालय टीकमगढ़ के अंतर्गत उत्पन्न होने वाले समस्त आदेश आदेश से उत्पन्न होने वाले प्रकरणों के अलावा जिला न्यायालय अधिनियम 1947 के अंतर्गत आदेशों से उत्पन्न होने वाले सत्र प्रकरण एवं समस्त रिमांड/आवेदनपत्र/जमानत आवेदन पत्र तथा विधि आपराधिक प्रकरण।
			2	सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ द्वारा अंतरित सत्र प्रकरण आपराधिक अपील, आपराधिक पुनरीक्षण तथा प्रतिभूति आवेदनपत्र।
			3	लंबित सत्र प्रकरणों तथा आपराधिक अपीलों से संबंधित विधि आपराधिक प्रकरण तथा जमानत आवेदनपत्र अंतर्गत धारा 438, 439 द.प्र.स।
			4	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विधि प्रकरण।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	सू.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
9-	पंचम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री अमित कुमार कसोरिया)	राजसव जिला टीकमगढ़	1	प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित समस्त सिविल याद, अपील एवं अन्य कार्यवाहियां।
			2	मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण तथा प्रवर्तन आवेदनपत्र जो कि प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जायें।
			3	निराकृत सिविल यादों/मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों में पारित आइडिपि तथा अवार्ड के प्रवर्तन प्रकरण/ विविध सिविल प्रकरण।
			4	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध प्रकरण एवं निष्पादन प्रकरण।
10-	-	सत्र सख्त टीकमगढ़	1	विशेष न्यायाधीश — दिनांक 01/04/2017 के पत्राग्रे प्रस्तुत होने वाले ओ.ए.डब्ल्यू मंडिलाओं के विरुद्ध घटित अपराध, सिविल अधीनत पूर्णित एवं समतनोदाय प्रकरणों हेतु निम्नलिखित कार्य (पेज 08) एवं 2017 के संबंधित प्रकरणों को छोड़कर।
			2	संबंधित सत्र प्रकरणों तथा अपराधिक अपीलों से संबंधित विविध आपराधिक प्रकरण तथा जमानत आवेदनपत्र अंतर्गत क्रमांक 438, 439 व.प्र.सं.।
			3	सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ द्वारा अंतरित सत्र प्रकरण, आपराधिक अपीलें, आपराधिक पुनरीक्षण तथा प्रतिभूति आवेदनपत्र।
11-	द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री प्रणयदीप ठाकुर)	राजसव जिला टीकमगढ़ सहस्रील खरनापुर, बरगनाव	1	एक करोड़ एक सप्पे से दस करोड़ रूपए मूल्यांकन तक के समस्त सिविल याद प्रवर्तन आवेदनपत्र तथा सिविल विविध मामला।
			2	आरबिट्रेशन एण्ड कन्सोलिडेशन एक्ट, 1996 (Arbitration and Conciliation Act, 1996) की धारा 9 व 11 के अंतर्गत तथा धारा 34, 38 के अंतर्गत आवेदन एवं निष्पादन प्रकरण।
			3	प्रिविशियल इन्सालवेंशी एक्ट के अंतर्गत दावे साधिकायें।
			4	भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के प्रकरण (भाग-10) को छोड़कर।
			5	इंडियन ट्रस्ट एक्ट के अंतर्गत प्रकरण।
			6	धारा 28 मद्रास पब्लिक ट्रस्ट एक्ट (The Madhya Pradesh Public Trusts Act, 1951) के अंतर्गत प्रकरण।
			7	लघुवाद दावे रूपये 501 से 1,000 तक।
			8	प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित समस्त सिविल याद अपीलें एवं अन्य कार्यवाहियां।
			9	मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण तथा प्रवर्तन आवेदनपत्र जो कि प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जायें।
			10	निराकृत सिविल यादों/मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों में पारित आइडिपि तथा अवार्ड के प्रवर्तन प्रकरण/ विविध सिविल प्रकरण।
			11	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
12-	-	सत्र सख्त टीकमगढ़	1	राजसव जिला टीकमगढ़ अंतर्गत मद्रास अधीनत और व्यवहारा प्रभावित क्षेत्र अधिनियम, 1981 (M.P. Dakaiti Aur Vyapharan Prabhavit Kshetra Adhiniyam, 1981) के अंतर्गत उत्पन्न समस्त प्रकरण एवं संबंधित रिमांड तथा जमानत आवेदनपत्र।
			2	सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ द्वारा अंतरित सत्र प्रकरण अपराधिक अपीलें, आपराधिक पुनरीक्षण तथा जमानत आवेदनपत्र।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			3	विशेष न्यायाधीश- मध्य प्रदेश न्यायाधीशों के हितों को संरक्षण अधिनियम 2003 से संबंधित प्रकरणों की प्रतियुक्ति आदेशों पर विचार करवाएंगे।
			4	विशेष न्यायाधीश भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 (Electricity Act 2003) के अंतर्गत उत्पन्न कन्वर्सिबल निर्माण प्रकरण एवं जमानत आवेदन पत्र (जिम्मेदार एवं निरक्षरों के विद्युत क्षेत्र को छोड़कर) (रजिस्ट्री अधिनियम क्र. 5/2003, टी.नं. 4/2003 जयपुर दिनांक 22.04.2003)
			5	लंबित सत्र प्रकरणों, आपराधिक अपीलों से संबंधित विविध आपराधिक प्रकरण व जमानत आवेदनपत्र के अंतर्गत धारा 438, 439 वं प्र.सं.
			6	सब न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरणों से उत्पन्न विविध प्रकरण।
13-	व्युत्थ जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़	राजसव जिला टीकमगढ़		रिक्त न्यायालय
14-	--	सत्र खण्ड टीकमगढ़		रिक्त न्यायालय
जयपुर				
15-	प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, जयपुर (श्री हरीश वानरेशी)	राजसव तहसील जयपुर, पलेरा, तिथौरा एवं मोहनगढ़	1	एक करोड़ एक सपत्तियों से अधिक मूल्यांकन के समस्त सिविल वाद आवेदनपत्र तथा शिथिल विविध प्रकरण।
			2	मध्य प्रदेश नगरपालिका अधिनियम के अंतर्गत चुनाव बाधिकाएँ।
			3	अर्बिट्रेशन एक्ट कन्सीलिटेशन एक्ट 1998 की धारा 9 एवं 11 के अंतर्गत तथा धारा 34, 36 के अंतर्गत आवेदन पत्र एवं अर्बिट्रेशन एक्ट कन्सीलिटेशन एक्ट से संबंधित निष्पादन प्रकरण।
			4	हिन्दू विवाह अधिनियम-हिन्दू अवयस्कता संरक्षण अधिनियम/ हिन्दू दत्तक एवं भरण पोषण अधिनियम/ इंडियन एडवोकेट एक्ट/ स्पेशल मैरिज एक्ट/गार्जियनशिप एवं कर्डर एक्ट के अंतर्गत प्रस्तुत बाधिकाएँ।
			5	धारा 28 म.प्र. पब्लिक ट्रस्ट एक्ट के अंतर्गत प्रकरण।
			6	न्यू-अर्जन के अंतर्गत रिफरेंस व अपील।
			7	भारतीय उत्तराधिकार के प्रकरण (भाग-10) को छोड़कर।
			8	निराकृत सिविल कादों/मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों में पारित अज्ञापियों/आदेशों, अगार्ड से संबंधित प्रवर्तन आवेदन पत्र तथा विविध सिविल प्रकरण।
			9	समुदाय दावे रुपये 501 से 1000 तक।
			10	मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण तथा प्रवर्तन आवेदन पत्र जो कि प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जावे।
			11	मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण- टीकमगढ़ जिला के खाल- 2, जयपुर 2, पलेरा 3, तिथौरा 4, पलेरा 5, बम्हरीगढ़ 1 से उत्पन्न सत्र दुर्घटना दावा प्रकरणों, प्रवर्तन आवेदनपत्र तथा जमानत पत्रों के अंतर्गत अन्य अज्ञापकों, दुर्घटना दावा प्रकरण एवं अन्य सत्री कृत बाधिकाएँ।
			12	पीठारीन अधिकारी, लोक न्यायालय- जिला न्यायाधीश जयपुर एवं द्वितीय जिला न्यायाधीश, जयपुर द्वारा पूर्व में निरारित प्रकरणों से उत्पन्न प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	सं.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			13	प्रथम जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित समस्त सिविल वाद अपीलें एवं अन्य कार्यवाहियां।
			14	ऐसे समस्त अधिनियमों के अंतर्गत उद्भूत सिविल प्रकृति के प्रकरण जिनका उल्लेख इस आदेश में न हो तथा अन्यायल प्रथम जिला न्यायाधीश टीकमगढ़ की श्रवणाधिकारिता के न हो परन्तु इस न्यायालय श्रवणाधिकारिता के हो।
			15	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
		-	16	<u>व्यवहार अपील</u> - समस्त व्यवहार न्यायाधीश दरिद्र खण्ड जतारा, समस्त व्यवहार न्यायाधीश दरिद्र खण्ड जतारा के न्यायालयों के द्वारा परित निर्णय, अज्ञात एवं आवेश से उत्पन्न समस्त व्यवहार अपीलें।
16-	-	सत्र खण्ड	1	विशेष न्यायाधीश भारतीय विद्या अधिनियम 2003 के अंतर्गत उत्पन्न समस्त विशेष प्रकरण तथा जमानत आवेदन पत्र (जतारा के विद्युत क्षेत्र में संबंधित)। (रजिस्ट्री अधिनियम का 1/2854/तारीख 4/2003 जयपुर दिनांक 13.04.2024)
			2	सत्र न्यायाधीश टीकमगढ़ द्वारा अंतरित सत्र प्रकरण अपराधिक अपीलें तथा अपराधिक पुनरीक्षण एवं प्रतिभूति आवेदन पत्र।
			3	लंबित सत्र प्रकरणों तथा अपराधिक अपीलें से संबंधित विविध अपराधिक प्रकरण तथा जमानत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 438, 439 द.प्र.सं.
			4	तहसील जतारा के कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के आवेशों के विरुद्ध उत्पन्न पुनरीक्षण आवेदन पत्र एवं विविध कार्यवाहियां।
			5	बाना जतारा, पसेरा, लिधौरा, बन्देरा एवं बन्हीरीकला (पि क्षेत्र जो जतारा तहसील से अंतर्गत आते हैं) क्षेत्र से उत्पन्न जमानत आवेदनपत्र अंतर्गत धारा 438, 439 द.प्र.सं।
			6	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध प्रकरण।
			7	<u>आपराधिक अपील एवं पुनरीक्षण</u> - तहसील जतारा में पूर्व में पदस्थ रहे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं वर्तमान में पदस्थ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी द्वारा निराकृत आपराधिक प्रकरणों से उत्पन्न आपराधिक अपीलें एवं पुनरीक्षण के संकष में प्रारंभिक चुनवाई हेतु प्रस्तुत होने वाले आवेदन पत्र।
			8	बाना-जतारा, पसेरा, लिधौरा, बन्देरा, बन्हीरीकला से उत्पन्न सिविल अपराधिक सं दालके का संरक्षण अधिनियम 2012 के अंतर्गत अपराधिक या संबंधित विशेष सत्र प्रकरण एवं समस्त रिमाण्ड कार्यवाहियां, जमानत आवेदन पत्र तथा वैकेड आपराधिक प्रकरण।
17-	द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, जतारा	राजसव जिला टीकमगढ़		रिक्त न्यायालय
18-	-	सत्र खण्ड टीकमगढ़		रिक्त न्यायालय

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
निवाड़ी				
19-	द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, निवाड़ी (श्री रुवेश शर्मा)	राजस्व तहसील निवाड़ी, पूरबीपुर एवं औरछा	1	प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित समस्त सिविल गांव अपीलें एवं अन्य कार्यवाहियां।
			2	मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण तथा प्रवर्तन आवेदन पत्र जो कि प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जायें।
			3	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
			4	<u>आपराधिक अपीलें</u> — व्यवहारे न्यायाधीश परिषद खण्ड जिला (प्रथम), द्वितीय अवरान न्यायाधीश परिषद खण्ड निवाड़ी प्रथम/द्वितीय व्यवहारे न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड निवाड़ी द्वारा द्वारा पारित निर्णय, आज्ञावियां एवं अपीलें से उत्पन्न समस्त व्यवहारे अपीलें।
			5	<u>मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण</u> — धाना, टेंडरका, सेदरी के मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण एवं प्रवर्तन आवेदनपत्र तथा धाना, टेंडरका के अंतर्गत अन्य मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण एवं अन्य सभी वर्तमान कार्यवाहियां।
20-	-	सत्र खण्ड	1	सत्र न्यायाधीश टीकमगढ़ द्वारा अंतरित सत्र प्रकरण, आपराधिक अपीलें तथा आपराधिक पुनरीक्षण एवं प्रतिभूति आवेदनपत्र।
			2	धाना-कोतवाली निवाड़ी, महिला याना- निवाड़ी एवं धाना- सेदरी, पूरबीपुर, टेंडरका, सिमरा, जेरोन औरछा में चलाने संबंधित अपराधिक प्रकरणों से संबंधित सत्र प्रकरण एवं अंतरित अपराधिक प्रकरण।
			3	संबंधित सत्र प्रकरणों तथा आपराधिक अपीलों से संबंधित विविध आपराधिक प्रकरण तथा जमानत आवेदनपत्र अंतर्गत धारा 438, 439 ए.प्र.सं।
			4	जमानत आवेदन पत्र— धाना-कोतवाली निवाड़ी, सेदरी के क्षेत्र से उत्पन्न जमानत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 438, 439 ए.प्र.सं।
			5	<u>आपराधिक अपीलें एवं पुनरीक्षण</u> — व्यवहारे न्यायाधीश परिषद खण्ड एवं जे.एम.एफ.सी. निवाड़ी (प्रथम), द्वितीय अवरान न्यायाधीश परिषद खण्ड एवं जे.एम.एफ.सी. निवाड़ी, प्रथम/द्वितीय व्यवहारे न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड एवं जे.एम.एफ.सी. निवाड़ी द्वारा निराकृत आपराधिक प्रकरणों से उत्पन्न आपराधिक अपीलें एवं पुनरीक्षण के संबंध में प्राथमिक चुनवाई हेतु प्रस्तुत होने वाले आवेदन पत्र।
			6	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध प्रकरण।
21-	प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, निवाड़ी (श्री एम.एल. रावौर)	राजस्व तहसील निवाड़ी, पूरबीपुर एवं औरछा	1	एक करोड़ एक रुपये से अधिक मूल्यांकन के सम्बन्ध सिविल गांव प्रवर्तन आवेदन पत्र तथा सिविल विधि प्रकरण।
			2	गोप्रठ नगर पालिका अधिनियम के अंतर्गत चुनाव अधिकार्ये।
			3	आर्बिट्रेशन एण्ड कंसीलिएशन एक्ट, 1996 की धारा 9 एवं 11 के अंतर्गत तथा धारा 34, 38 के अंतर्गत आवेदन पत्र एवं आर्बिट्रेशन एण्ड कंसीलिएशन एक्ट से संबंधित निष्पादन प्रकरण।
			4	हिन्दू विवाह अधिनियम/हिन्दू अविवाहक संरक्षण अधिनियम/हिन्दू दत्तक एवं मरण-पौषण अधिनियम/इंडियन कर्षीटोर्स एक्ट/स्पेशल गैरिज एक्ट/गार्जियनशिप एवं बार्ड्स एक्ट के अंतर्गत प्रस्तुत कार्यवाहियां।
			5	धारा 26 भा प्रकृतिक ट्रस्ट एक्ट के अंतर्गत प्रकरण।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			6	न्यू-अर्जन के अंतर्गत रिफरेंस व अपील।
			7	भारतीय एक्सप्रिफिकर के प्रकरण (भाग-10) को छोड़कर।
			8	निराकृत सिविल दावों/मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों में पारित आकांक्षित/आदेशों, अवार्ड से संबंधित प्रवर्तन आवेदन पत्र तथा विविध सिविल प्रकरण।
			9	सधुवाद दावे रुपये 501 से 1000 तक।
			10	मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण तथा प्रवर्तन आवेदन पत्र जो कि प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जावे।
			11	प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित समस्त सिविल वाद अपीलें एवं अन्य कार्यवाहियां।
			12	ऐसे समस्त अधिनियमों के अंतर्गत उपर्युक्त सिविल प्रकृति के प्रकरण जिनका उल्लेख इस आदेश में न हो तथा उनमें प्रधान जिला न्यायाधीश टीकनगढ़ की अग्रगण्यता के न हो परन्तु इस न्यायालय के अग्रगण्यता के हो।
			13	मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण - धारा 1 निवाड़ी 2 सिमरा व ओरछा व जेरोन से उपर्युक्त मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण एवं प्रवर्तन आवेदनपत्र तथा जमानत आदेशों के अंतर्गत आने वाले मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण एवं अन्य सभी क्लेम कार्यवाहियां।
			14	उक्त न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
			15	<u>खसईर अपील</u> - न्यायालय न्यायाधीश पारित खसईर अपील के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश ओरछा प्रथम/द्वितीय खसईर न्यायाधीश कनिष्ठ खसईर अपील तथा प्रथम खसईर न्यायाधीश कनिष्ठ खसईर निवाड़ी के न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश निवाड़ी द्वारा पारित निर्णयों, आकांक्षित एवं आदेशों से उत्पन्न समस्त व्यवहार अपीलें।
			16	ग्राम न्यायालय निवाड़ी से उत्पन्न सिविल नियमित एवं विविध अपीलें। (शासन के विरुद्ध पारित अपीलें को छोड़कर)
22-	-	सत्र खण्ड	1	विशेष न्यायाधीश- भारतीय विरुद्ध अधिनियम 2003 के अंतर्गत उत्पन्न समस्त विशेष प्रकरण तथा जमानत आवेदन पत्र (निर्णयों के विरुद्ध क्षेत्र से संबंधित)।
			2	सत्र न्यायाधीश टीकनगढ़ द्वारा अंतरित सत्र प्रकरण आपराधिक अपीलें तथा आपराधिक पुनरीक्षण एवं प्रतिमूर्ति आवेदन पत्र।
			3	संबंधित सत्र प्रकरणों तथा आपराधिक अपीलों से संबंधित विविध आपराधिक प्रकरण तथा जमानत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 438, 439 द.प्र.सं.
			4	तहसील निवाड़ी, पूरबीपुर एवं ओरछा के कार्यपालक मजिस्ट्रेट के आदेशों के विरुद्ध उत्पन्न पुनरीक्षण आवेदन पत्र एवं विविध कार्यवाहियां।
			5	जमानत आवेदन पत्र- महिला थाना निवाड़ी, थाना- पूरबीपुर, ओरछा, टोहरका, सिमरा, जेरोन के क्षेत्र से उत्पन्न (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अंतर्गत जमानत आवेदन पत्र को छोड़कर) जमानत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 438, 439 द.प्र.सं.
			6	सत्र प्रकरण जिन्हें प्रधान सत्र न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावे।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			7	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध प्रकरण।
			8	ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 की धारा 33 के अंतर्गत ग्राम न्यायालय निवासी के दायित्व मामलों से उत्पन्न दायित्व अपीलें। उपरोक्त प्रकरणों से उत्पन्न सभी विविध आपराधिक प्रकरण नोट- जिन अपराधों के विचारण का अधिकार उन्हें दिया गया है, से संबंधित प्रस्तुत जनमत आवेदन पत्रों की सुनवाई करेंगे।
			9	<u>आपराधिक अपील एवं पुनरीक्षण:-</u> व्यवहार न्यायाधीश (वैरिड खण्ड औरंगा के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश एवं जे.एम.एफ. सी. औरंगा प्रथम/द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड एवं जे.एम.एफ.सी. औरंगा तथा प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड निवासी के न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश एवं जे.एम.एफ. सी. निवासी द्वारा निराकृत आपराधिक प्रकरणों से उत्पन्न आपराधिक अपीलें एवं पुनरीक्षण के संदर्भ में प्राथमिक सुनवाई हेतु प्रस्तुत होने वाले आवेदन पत्र।
व्यवहार न्यायाधीशगण हेतु -				
मुख्यालय टीकमगढ़-				
23-	प्रधान व्यवहार न्यायाधीश वैरिड खण्ड एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, टीकमगढ़ (श्रीमती सपना पोर्त)	माह जनवरी से फरवरी तक राजस्व तहसील टीकमगढ़, बड़ागांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	समस्त सांप्रतिक याद जिनका मूल्य 5,00,001/- (पांच लाख एक) से अधिक एवं 10,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक है।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- रुपये से 500/- रुपये तक है।
			3	माह उत्तराध अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत समस्त आवेदन पत्र।
			4	मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1981 की धारा 139 (1) एवं 172 (1) के अधीन उत्पन्न अपीलें।
			5	राजस्व तहसील बल्देवगढ़ एवं खरगापुर से उत्पन्न मुस्लिम महिला तलाक संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			6	वह सभी प्रकरण जो समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जायें।
			7	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उत्पन्न निष्पादन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			8	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
24-	चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वैरिड खण्ड टीकमगढ़ (MJPJ) (श्री जमन सिंह भूसिया)	माह सितंबर से अक्टूबर तक राजस्व तहसील टीकमगढ़, बड़ागांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	समस्त सांप्रतिक याद जिनका मूल्य 5,00,001/- (पांच लाख एक) से अधिक एवं 1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक है।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- ₹ से 500/- रुपये तक है।
			3	माह उत्तराध अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत समस्त आवेदन पत्र।
			4	माह नगरपालिका अधिनियम 1981 की धारा 139 (1) एवं 172(1) के अधीन उत्पन्न अपीलें।
			5	राजस्व तहसील बल्देवगढ़ एवं खरगापुर से उत्पन्न मुस्लिम महिला तलाक संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			6	वह सभी प्रकरण जो समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जायें।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			7	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत निष्पादन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			8	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
25-	तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ (नगप्र0) (श्री अरविंद सिंह)	माह जून से अगस्त तक राजस्व तहसील टीकमगढ़, बड़ागांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	समस्त सांपत्तिक वाद जिनका मूल्य 5,00,001/- (पांच लाख एक) से अधिक एवं 1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक है।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- रु0 से 500/- रुपये तक है।
			3	भा0 उत्तरा0 अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत समस्त आवेदन पत्र।
			4	नगप्र0 नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 139 (1) एवं 172(1) के अधीन उत्पन्न अपीलें।
			5	राजस्व तहसील बल्देवगढ़ एवं खरगापुर से उद्भूत मुस्लिम महिला सलाह संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			6	वह सभी प्रकरण जो समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जायें
			7	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत निष्पादन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			8	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
26	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ के न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री प्रदीप सोनी)	माह नवम्बर से दिसम्बर तक राजस्व तहसील टीकमगढ़, बड़ागांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	समस्त सांपत्तिक वाद जिनका मूल्य 5,00,001/- (पांच लाख एक) से अधिक एवं 1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक है।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- रु0 से 500/- रुपये तक है।
			3	भा0 उत्तरा0 अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत समस्त आवेदन पत्र।
			4	नगप्र0 नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 139 (1) एवं 172(1) के अधीन उत्पन्न अपीलें।
			5	राजस्व तहसील बल्देवगढ़ एवं खरगापुर से उद्भूत मुस्लिम महिला सलाह संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			6	वह सभी प्रकरण जो समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जायें
			7	उनके द्वारा एवं चतुर्थ/पंचम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ द्वारा पूर्व में विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			8	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
			9	न्यायालय- (1) चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ (2) पंचम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ (3) व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश, टीकमगढ़ द्वारा पूर्व में विचारित प्रकरणों से उद्भूत निष्पादन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
27	न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय टीकमगढ़ (श्री प्रदीप सोनी)	राजसव तहसील टीकमगढ़ की क्षेत्रीय अधिकारिता के अंतर्गत आने वाली जनपद बंधाखत	1	ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 की अनुसूची के भाग 1 व 2 में वर्णित समस्त जागरणिक प्रकरण एवं द्वितीय अनुसूची के भाग-1 में वर्णित समस्त सिविल प्रकरण व अन्य वाद एवं उनसे उद्भूत अन्य विविध कार्यवाही।
			2	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
28-	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ के न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्रीमति कविता संगम सिंह)		1	प्रधान मजिस्ट्रेट, किशोर न्याय बोर्ड, टीकमगढ़ के होने से किशोर न्याय बोर्ड का कार्य।
			2	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			3	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
29-	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ (श्री संगम सिंह)	माह मार्च से मई तक राजसव तहसील टीकमगढ़, बड़गांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	समस्त वाचनिक वाद जिनका मूल्य 5,00,000/- (पांच लाख एके) से अधिक एवं 10,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक है।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- रुपये से 500/- रुपये तक है।
			3	माउ उत्तरांच अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत समस्त आवेदन पत्र।
			4	मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 139 (1) एवं 172 (1) के अर्धीन उत्पन्न अपीलें।
			5	राजसव तहसील बल्देवगढ़ एवं खरगापुर से उद्भूत मुस्लिम महिला ताताक संरक्षण अधिनियम 1985 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			6	वह सभी प्रकरण जो समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किये जायें।
			7	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत निष्पादन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			8	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
30-	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ (श्री मुदित लटौरिया)	माह अगस्त से अक्टूबर तक राजसव तहसील टीकमगढ़, बड़गांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	रुपये 0 से 5,00,000/- (पांच लाख) तक के सिविल वाद एवं उनसे उद्भूत विविध सिविल वाद एवं निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 1/- से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			5	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
31-	तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ (सुश्री रिशु भगत)	माह मई से जुलाई तक राजसव तहसील टीकमगढ़, बड़गांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	रुपये 0 से 5,00,000/- (पांच लाख) तक के सिविल वाद एवं उनसे उद्भूत विविध सिविल वाद एवं निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 1/- से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			5	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
32-	षष्ठम् व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ (श्रीमती नूतन रावते)	माह फरवरी से अप्रैल तक राजस्व तहसील टीकमगढ़, बड़गांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	रुपये 0 से 5,00,000/- (पांच लाख) तक के सिविल वाद एवं उनसे उद्भूत विविध सिविल वाद एवं निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 1/- रु0 से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			5	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
33-	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ (सुश्री जया दीक्षित)	माह नवम्बर से जनवरी तक राजस्व तहसील टीकमगढ़, बड़गांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	रुपये 0 से 5,00,000/- (पांच लाख) तक के सिविल वाद एवं उनसे उद्भूत विविध सिविल वाद एवं निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 1/- रु0 से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			5	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
34-	षष्ठम् व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ (श्रीमती नूतन रावते)	माह जनवरी से अप्रैल तक राजस्व तहसील टीकमगढ़, बड़गांव, बल्देवगढ़ एवं खरगापुर	1	रुपये 0 से 5,00,000/- (पांच लाख) तक के सिविल वाद एवं उनसे उद्भूत विविध सिविल वाद एवं निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 1/- रु0 से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			5	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
35	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ के न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश (श्री पुष्पेन्द्र मोहन वर्मा)		1	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			2	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
36	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़ के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश (सुश्री गरिमा अलावा)		1	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			2	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
37-	चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़			रिक्त न्यायालय
38-	पंचम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़			रिक्त न्यायालय

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
जतारा				
39-	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जतारा (श्रीपती संगीता शार मौर्य)	मार्च जनवरी से जून तक राजस्थान वल्लो जतारा, पलेरा, लिथीरा एवं मोहनगढ़	1	रुपये 5,00,001/- (पांच लाख एक) से 1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक के मूल्य के सभी व्यवहार वाद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध व्यवहार वाद एवं निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- रु० से 500/- रुपये तक है।
			3	उपरोक्त वादों से उत्पन्न सभी निष्पादन व विविध प्रकरण।
			4	भार० उत्तरा० अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत आवेदन पत्र।
			5	म०प्र० नगरपालिका अधिनियम 1981 की धारा 139 (१) एवं 172 (1) के अंतर्गत प्रस्तुत सभी अपीलें।
			6	मुस्लिम महिला तलाक संश्लेष अधिनियम 1986 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			7	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			8	न्यायालय (1) व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जतारा (प्रथम) (2) सुनील व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, जतारा द्वारा पूर्व में विधायित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			9	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
40-	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जतारा (श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी)	मार्च जुलाई से दिसम्बर तक राजस्थान वल्लो जतारा, पलेरा, लिथीरा एवं मोहनगढ़	1	रुपये 5,00,001/- (पांच लाख एक) से 1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक के मूल्य के सभी व्यवहार वाद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध व्यवहार वाद एवं निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- रु० से 500/- रुपये तक है।
			3	उपरोक्त वादों से उत्पन्न सभी निष्पादन व विविध प्रकरण।
			4	भार० उत्तरा० अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत आवेदन पत्र।
			5	म०प्र० नगरपालिका अधिनियम 1981 की धारा 139 (1) एवं 172 (1) के अंतर्गत प्रस्तुत सभी अपीलें।
			6	मुस्लिम महिला तलाक संश्लेष अधिनियम 1986 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			7	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			8	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जतारा द्वारा पूर्व में विधायित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			9	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
41-	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, जतारा (सुश्री विजया भारती यादव)	माह जनवरी से जून तक राजस्व तहसील जतारा, पलेरा, लिधीरा एवं मोहनगढ	1	रुपये 0 से 5,00,000/- (पांच लाख रुपये) तक के साम्प्रतिक वाद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध तथा निष्पादन प्रकरण ।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 1/- रु० से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			5	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
42-	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, जतारा (श्री नारायण यादव)	माह जुलाई से दिसम्बर तक राजस्व तहसील जतारा, पलेरा, लिधीरा एवं मोहनगढ	1	रुपये 0 से 5,00,000/- (पांच लाख रुपये) तक के साम्प्रतिक वाद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध तथा निष्पादन प्रकरण ।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 1/- रु० से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			5	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
43-	तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड जतारा			रिक्त न्यायालय
निवाड़ी				
44-	व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, निवाड़ी (श्रीमती प्राची शर्मा उपाध्याय)	माह जनवरी से जून तक राजस्व तहसील निवाड़ी एवं पृथ्वीपुर का वह भाग जो निवाड़ी न्यायालय की सीमा में आता है।	1	रुपये 5,00,001/- (पांच लाख एक) से 1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक के मूल्य के सभी व्यवहार वाद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध व्यवहार वाद एवं निष्पादन प्रकरण ।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- रु० से 500/- रुपये तक है।
			3	म०प्र० नगरपालिका अधिनियम 1981 की धारा 139 (1) एवं 172 (1) के अंतर्गत प्रस्तुत सभी अपीलें ।
			4	भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रस्तुत आवेदन पत्र ।
			5	मुस्लिम महिला तलाक संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			6	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय-समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			7	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
45-	न्यायाधिकारी, ग्राम न्यायालय निवाड़ी (श्रीमती प्राची शर्मा उपाध्याय)	राजस्व तहसील निवाड़ी की क्षेत्रीय अधिकारिता के अंतर्गत आने वाली जनपद पंचायत	1	ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 की अनुसूची के भाग 1 व 2 में वर्णित समस्त आपराधिक प्रकरण एवं द्वितीय अनुसूची के भाग-1 में वर्णित समस्त सिविल प्रकरण व अन्य वाद एवं उनसे उद्भूत अन्य विविध कार्यवाही।
			2	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।

क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	सं.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
46-	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, निवाड़ी (श्रीमती सोनम बर्मा)	माह जुलाई से दिसम्बर तक राजस्व तहसील निवाड़ी एवं पृथ्वीपुर का वह भाग जो निवाड़ी न्यायालय की सीमा में आता है।	1	रुपये 5,00,001/- (पांच लाख एक) से 1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक के मूल्य के सभी व्यवहार वाद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध व्यवहार वाद एवं निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- ₹0 से 500/- रुपये तक है।
			3	म090 नगरपालिका अधिनियम 1981 की धारा 139 (1) एवं 172 (1) के अंतर्गत प्रस्तुत सभी अधीतें।
			4	भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रस्तुत आवेदन पत्र।
			5	मुस्लिम महिला तलाक संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			6	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			7	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
47-	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, निवाड़ी (सुश्री के. शिवानी)	माह जनवरी से जून तक राजस्व तहसील निवाड़ी एवं पृथ्वीपुर का वह भाग जो निवाड़ी न्यायालय की सीमा में आता है।	1	रुपये 0 से 5,00,000/- (पांच लाख रुपये) तक के साम्प्रतिक वाद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध तथा निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 1/- ₹0 से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			5	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, निवाड़ी द्वारा पूर्व में विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			6	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
48-	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, निवाड़ी के न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश निवाड़ी (श्री मनीष छापरिया)	माह जुलाई से दिसम्बर तक राजस्व तहसील निवाड़ी एवं पृथ्वीपुर का वह भाग जो निवाड़ी न्यायालय की सीमा में आता है।	1	रुपये 0 से 5,00,000/- (पांच लाख) तक के साम्प्रतिक वाद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध तथा निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 1/- ₹0 से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			5	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
49-	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, निवाड़ी			रिक्त न्यायालय
50-	व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड औरछा के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश, औरछा (श्री राघवेंद्र पटेल)	राजस्व तहसील औरछा, व पृथ्वीपुर का वह भाग जो औरछा न्यायालय की सीमा में आता है।	1	रुपये 5,00,001/- (पांच लाख एक) से 1,00,00,000/- (एक करोड़ रुपये) तक के मूल्य के सभी व्यवहार वाद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध व्यवहार वाद एवं निष्पादन प्रकरण।
			2	लघुवाद प्रकरण जिनका मूल्य 201/- ₹0 से 500/- रुपये तक है।


क्र.	न्यायालय का नाम	क्षेत्र	स.क्र.	किये जाने वाले कार्यों का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			3	मोप्रो नगरपालिका अधिनियम 1981 की धारा 139 (1) एवं 172 (1) के अंतर्गत प्रस्तुत सभी अपीलें।
			4	भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रस्तुत आवेदन पत्र।
			5	मुस्लिम महिला तलाक संज्ञा अधिनियम 1986 के अंतर्गत समस्त प्रकरण।
			6	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			7	व्यवहार न्यायाधीश इच्छि सख्त औरछा द्वारा पूर्व में विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			8	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
51-	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ सख्त, औरछा (श्री उपमन्धु शुक्ला)	राजस्व तहसील औरछा, व पूरबीपुर का वह भाग जो औरछा न्यायालय की सीमा में आता है।	1	कपड़े 0 से 6,00,000/- (पांच लाख) तक के साम्प्रतिक बंद एवं उनसे उद्भूत सभी विविध तथा निष्पादन प्रकरण।
			2	जधुवाल प्रकरण जिनका मूल्य 1/- रु से 200/- रुपये तक है।
			3	वह सभी प्रकरण जिन्हें समय समय पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा अंतरित किया जावेगा।
			4	उनके द्वारा विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			5	व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ सख्त औरछा द्वारा पूर्व में विचारित प्रकरणों से उद्भूत प्रवर्तन प्रकरण एवं विविध व्यवहार प्रकरण।
			6	इस न्यायालय द्वारा पूर्व में निराकृत प्रकरण से उत्पन्न विविध एवं निष्पादन प्रकरण।
52-	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ सख्त, औरछा			रिक्त न्यायालय

टिप्पणी :-

- सत्र न्यायालय द्वारा अंतरित/सत्र न्यायाधीश की अनुपस्थिति में जमानत आवेदन पत्र, जिस न्यायालय द्वारा प्रथम जमानत आवेदन पत्र निराकृत किया गया हो, उसी न्यायालय द्वारा पश्चात्वर्ती जमानत आवेदन पत्रों का भी निराकरण किया जावेगा। इसके साथ ही उसी अपराध से संबंधित अन्य आरोपीगण के प्रस्तुत जमानत आवेदन पत्र भी उसी सत्र न्यायालय द्वारा निराकृत किये जावेगें, जिस न्यायालय द्वारा सह आरोपियों की ओर से प्रस्तुत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 438, 439 द.प्र.सं. के जमानत आवेदन पत्र का निराकरण किया गया है। उसी आवेदन पत्र स्वमेव अंतरित माने जावेगे, परन्तु लंबित सत्र प्रकरणों में सह आरोपी की ओर से प्रस्तुत होने वाले जमानत आवेदन पत्र का निराकरण विचारण न्यायालय जिनके यहां सत्र प्रकरण लंबित हैं, के द्वारा किया जावेगा।
- विशेष न्यायालय, अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार-निवारण) अधिनियम, विशेष न्यायालय (विद्युत) अधिनियम, विशेष न्यायालय (एन.डी.पी.एस.) अधिनियम, विशेष न्यायालय (ग्रष्टाचार निवारण) अधिनियम तथा विशेष न्यायालय (पेंकसो) अधिनियम के प्रकरणों का पंजीयन संबंधित विशेष न्यायालय में दायरा पंजी रखा जाकर पंजीयन किया जावेगा; इसी प्रकार इन विशेष न्यायालयों से संबंधित जमानत आवेदन पत्र संबंधित विशेष न्यायालयों में सीधे पेश किये जावेगें।

3. अदकाश के दौरान लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अंतर्गत रिमाण्ड कार्यवाही के दौरान धारा 437 द.प्र.स. के अंतर्गत जमानत आवेदन पत्र, क्षेत्राधिकार रखने वाले न्यायिक दण्डाधिकारी अथवा मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जा सकेंगे, तदनुसार संबंधित दण्डाधिकारी विधिक प्रावधानों के प्रकाश में निराकरण कर सकेंगे।
4. रजिस्ट्रार डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से संबंधित समस्त कार्य जिला रजिस्ट्रार, टीकमगढ़ द्वारा संपादित किया जावेगा।
5. लोक अदालत की खण्डपीठ द्वारा निराकृत प्रकरणों से उत्पन्न निष्पादन वादों का प्रस्तुतीकरण व निराकरण उसी खण्डपीठ द्वारा किया जावेगा, जिसके द्वारा प्रकरण निराकृत किया गया है।
6. मुख्यालय टीकमगढ़/तहसील जतारा/तहसील निवाड़ी में पूर्व में पदस्थापित जिला न्यायाधीश (पूर्व पदनाम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश) के न्यायालय जिनकी पदस्थापना वर्तमान में नहीं है, से संबंधित समस्त कार्यवाहियां कार्य विभाजन पत्रक के संलग्न चार्ज प्रभार द्वारा संपन्न की जावेगी।
7. मुख्यालय टीकमगढ़/तहसील जतारा/तहसील निवाड़ी/तहसील ओरछा में पूर्व में पदस्थापित समस्त व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड (वर्ग-1)/व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड (वर्ग-2) जिनकी पदस्थापना वर्तमान में नहीं है, से संबंधित कार्यवाहियां कार्यविभाजन पत्रक के संलग्न चार्ज प्रभार द्वारा संपादित की जावेगी।
8. **विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.) अधिनियम टीकमगढ़** के अदकाश पर रहने पर एन.डी.पी.एस. एक्ट के प्रकरणों से संबंधित अर्जेन्ट आवेदनों की सुनवाई जिला मुख्यालय, टीकमगढ़ पर उपलब्ध **वरिष्ठ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश** द्वारा की जावेगी। जिला मुख्यालय, टीकमगढ़ में कोई भी अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश उपस्थित न होने पर सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ द्वारा सुनवाई की जावेगी।
9. **विशेष न्यायाधीश (एस.सी./एस.टी.) अधिनियम टीकमगढ़** के अदकाश पर रहने पर एस.सी./एस.टी. एक्ट के प्रकरणों से संबंधित अर्जेन्ट आवेदनों की सुनवाई जिला मुख्यालय, टीकमगढ़ पर उपलब्ध **वरिष्ठ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश** द्वारा की जावेगी। जिला मुख्यालय, टीकमगढ़ में कोई भी अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश उपस्थित न होने पर सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ द्वारा सुनवाई की जावेगी एवं उक्त समी की अनुपस्थिति में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, टीकमगढ़ द्वारा की जावेगी।
10. जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के **रिक्त न्यायालयों** से संबंधित समस्त न्यायिक कार्य/विविध कार्य माननीय उच्च न्यायालय से आने वाले आदेशों/निर्देशों का परिपालन तथा मूल दस्तावेज वापिसी से संबंधित कार्य, उपलब्ध **वरिष्ठ जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश** द्वारा संपादित किया जावेगा और उनकी अनुपस्थिति में कार्यविभाजन पत्रक के अनुसार उनके प्रभार वाले न्यायाधीशों द्वारा संपादित किया जावेगा।
11. व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के **रिक्त न्यायालयों** से संबंधित समस्त न्यायिक कार्य/विविध कार्य माननीय उच्च न्यायालय तथा अपीलीय न्यायालय से आने वाले आदेशों/निर्देशों का परिपालन तथा मूल दस्तावेज वापिसी से संबंधित कार्य, उपलब्ध **वरिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड** द्वारा संपादित किया जावेगा और उनकी अनुपस्थिति में कार्यविभाजन पत्रक के अनुसार उनके प्रभार वाले न्यायाधीशों द्वारा संपादित किया जावेगा।
12. व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड के **रिक्त न्यायालयों** से संबंधित समस्त न्यायिक कार्य/विविध कार्य माननीय उच्च न्यायालय तथा अपीलीय न्यायालय से आने वाले आदेशों/निर्देशों का परिपालन तथा मूल दस्तावेज वापिसी से संबंधित कार्य, उपलब्ध **वरिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड** द्वारा संपादित किया जावेगा और उनकी अनुपस्थिति में कार्यविभाजन पत्रक के अनुसार उनके प्रभार वाले न्यायाधीशों द्वारा संपादित किया जावेगा।
13. मोटरवाहन अधिनियम की धारा 166(2) के तहत मामलों की सुनवाई हेतु उक्त कार्य विभाजन में अधिकृत टीकमगढ़/जतारा/निवाड़ी स्थित समस्त मोटर वाहन चालक अधिकरणों द्वारा मोटरवाहन अधिनियम की धारा 166(2) के अन्तर्गत धारा 164 एवं 163ए के अन्तर्गत मामलों की सुनवाई व कार्य संपादित किया जावेगा।

14. इस जिला स्थापना पर यदि किसी न्यायालय में पदस्थ पीठासीन अधिकारी (जिला न्यायाधीश/व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड/व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड) का स्थानांतरण अन्यत्र हो जाता है तो उक्त न्यायालय [रिक्त न्यायालय] को आवंटित समस्त न्यायिक कार्य/विक्रय कार्य आगामी आदेश होने तक चार्ज प्रभार सारणी के उल्लेखित प्रथम उत्तरवर्ती न्यायालय द्वारा संपादित किये जायेंगे।
15. पूर्व में रिक्त रहे ऐसे सभी न्यायालय जो वर्तमान में कार्यरत हैं, का तत्समय का समस्त कार्य वर्तमान में कार्यरत संबंधित न्यायालय द्वारा संपादित किया जावेगा।
16. जिला स्थापना पर कार्यरत जिला न्यायाधीश का न्यायालय रिक्त होने की दशा में उक्त रिक्त न्यायालय के अत्यावश्यक (सिविल एवं अपराधिक) कार्य हेतु चार्ज प्रभार सारणी के उल्लेखित नियुक्त प्रथम उत्तरवर्ती न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के द्वारा ही क्लेम प्रकरणों में जमा राशि के मुगतान संबंधी कार्यवाही सहित समस्त अनुषांगिक कार्यवाहियां संपादित की जावेगी।
17. क्षेत्राधिकार के संबंध में भ्रम की स्थिति में आवेदन प्रधान जिला न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया जावेगा।
18. निराकृत विशेष प्रकरणों के संबंध में वरिष्ठ न्यायालयों से आदेश प्राप्त होने पर कार्य कार्यदिमाजन आदेश में दिये गये क्षेत्राधिकारिता अनुसार अधिसूचित न्यायालयों द्वारा [आवंटित धाने अनुसार] कार्यवाही की जायेगी।
19. प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय टीकमगढ़ के अवकाश में होने पर, उनके न्यायालय से संबंधित समस्त कार्यवाहियां प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश टीकमगढ़ द्वारा की जावेगी।
20. सत्रखण्ड निवाड़ी/जतारा में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अंतर्गत प्रथम रिमाण्ड प्रस्तुत होने पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के द्वारा कार्यवाही की जावेगी तथा द्वितीय रिमाण्ड प्रस्तुत होने पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी उक्त पत्रावली, संबंधित न्यायालय में अधिम रिमाण्ड हेतु पत्रावली प्रेषित करेंगे तथा अभिरक्षा में रखे जाने वाले वारंट पर आगामी तिथि पर उपस्थित होने के लिये विशेष न्यायालय में उपस्थिति बाबत टीप अंकित करेंगे।


 (हितेन्द्र सिंह सिसौदिया)
 प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
 टीकमगढ़ (म०प्र०)

-: चार्ज प्रभार :-

1. सिविल जिला टीकमगढ़ के अंतर्गत कार्यरत न्यायाधीशों की अनुपस्थिति/अवकाश/ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन अवकाश/अस्वास्थ्य रिक्तता में, उनके न्यायालयों से संबंधित आवश्यक कार्य सामान्य रूप से न्यायालयों के सम्मुख निम्नानुसार न्यायालयों के पीठासीन न्यायाधीश द्वारा संपादित किया जावेगा :-

क्र०	न्यायालय	प्रथम उत्तरवर्ती न्यायालय	द्वितीय उत्तरवर्ती न्यायालय	तृतीय उत्तरवर्ती न्यायालय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री हितेन्द्र सिंह सिसौदिया)	विशेष न्यायाधीश (एट्टी) टीकमगढ़ (श्रीमति प्रवीणा व्यास)	प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री मनोज कुमार)	तृतीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता)
2	प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, टीकमगढ़ (श्री शमरोज खान)	प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री हितेन्द्र सिंह सिसौदिया)	विशेष न्यायाधीश (एट्टी) टीकमगढ़ (श्रीमति प्रवीणा व्यास)	प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री मनोज कुमार)

क्र०	न्यायालय	प्रथम उत्तरवर्ती न्यायालय	द्वितीय उत्तरवर्ती न्यायालय	तृतीय उत्तरवर्ती न्यायालय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
14	प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, निवाड़ी (श्री एम.एल. राठौर)	द्वितीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, निवाड़ी (श्री रूपेश शर्मा)	तृतीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता)	पंचम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री अनिल कुमार करौरिया)

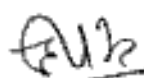
व्यवहार न्यायाधीशगण :-

2. सिविल जिला टीकमगढ़ के अंतर्गत कार्यरत न्यायाधीशों की अनुपस्थिति/अवकाश/ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन अवकाश/अस्थायी रिक्तता में, उनके न्यायालयों से संबंधित आवश्यक सिविल कार्य सामान्य रूप से न्यायालयों के सम्मुख निम्नानुसार न्यायालयों के पीठासीन न्यायाधीश द्वारा सम्पादित किया जावेगा :-

क्र०	न्यायालय	प्रथम उत्तरवर्ती न्यायालय	द्वितीय उत्तरवर्ती न्यायालय	तृतीय उत्तरवर्ती न्यायालय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
टीकमगढ़				
1	प्रथम व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्रीमति सपना पोर्ते)	चतुर्थ व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अमन सिंह भूरिया)	तृतीय व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अरविन्द सिंह)	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री प्रदीप सोनी)
2	चतुर्थ व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अमन सिंह भूरिया)	प्रथम व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्रीमति सपना पोर्ते)	तृतीय व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अरविन्द सिंह)	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री प्रदीप सोनी)
3	तृतीय व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अरविन्द सिंह)	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री प्रदीप सोनी)	चतुर्थ व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अमन सिंह भूरिया)	द्वितीय व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री संगम सिंह)
4	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री प्रदीप सोनी)	प्रथम व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्रीमति सपना पोर्ते)	तृतीय व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अरविन्द सिंह)	चतुर्थ व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अमन सिंह भूरिया)
5	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ के न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्रीमति कविता संगम सिंह)	तृतीय व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अरविन्द सिंह)	चतुर्थ व्यवहार वरिष्ठ खण्ड, टीकमगढ़ (श्री अमन सिंह भूरिया)	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश, टीकमगढ़ (श्री प्रदीप सोनी)

क्र०	न्यायालय	प्रथम उत्तरवर्ती न्यायालय	द्वितीय उत्तरवर्ती न्यायालय	तृतीय उत्तरवर्ती न्यायालय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
26	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, निवाडी (रिक्त न्यायालय)	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, निवाडी (सुश्री के० शिवानी)	व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, निवाडी (श्रीमति प्राची उपाध्याय)	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, निवाडी के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश (श्री मनीष छापरिया)
27	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, ओरछा के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश, ओरछा (श्री रामवेन्द्र सिंह पटेल)	व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, ओरछा (श्री उपमन्यू शुक्ला)	व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, निवाडी (श्रीमति प्राची उपाध्याय)	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, निवाडी (श्रीमती सोनम वर्मा)
28	व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, ओरछा (श्री उपमन्यू शुक्ला)	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, ओरछा के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश, ओरछा (श्री रामवेन्द्र सिंह पटेल)	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, निवाडी (श्रीमती सोनम वर्मा)	व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, निवाडी (श्रीमति प्राची उपाध्याय)
29	द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, ओरछा (रिक्त न्यायालय)	व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, ओरछा (श्री उपमन्यू शुक्ला)	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, ओरछा के न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश, ओरछा (श्री रामवेन्द्र सिंह पटेल)	प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, निवाडी (सुश्री के० शिवानी)

नोट- स्तम्भ क्रमांक 3, 4 एवं 5 में दर्शित न्यायिक अधिकारी के भी अनुपस्थिति/अवकाश पर रहने से मुख्यालय/तहसील मुख्यालय में कार्यरत निकटतम वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी द्वारा आवश्यक न्यायिक कार्य संपादित किया जावेगा।


 (हितेश सिंह सिसौदिया)
 प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
 टीकमगढ़ (गठप०)

(1-22)

पृ०कमांक / 292 / सा०अनु०-45 / 2024

टीकमगढ़, दिनांक :- 22, अप्रैल, 2024

प्रतिलिपि :-

1. निज सचिव, माननीय पोर्ट फोलियो न्यायाधिकारि महोदय (टीकमगढ़), म०प्र० उच्च न्यायालय, जबलपुर (म०प्र०)
2. माननीय रजिस्ट्रार जनरल महोदय, उच्च न्यायालय म०प्र०, जबलपुर (म०प्र०)
3. प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, माननीय उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश खण्डपीठ ग्वालियर (म०प्र०)
4. प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, टीकमगढ़ (म०प्र०)
5. कलेक्टर, टीकमगढ़/निवाड़ी (म०प्र०)
6. पुलिस अधीक्षक, टीकमगढ़/निवाड़ी (म०प्र०)
- की ओर ई-मेल के माध्यम से सूचनार्थ प्रेषित।
7. विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज) टीकमगढ़ (म०प्र०)
8. समस्त जिला न्यायाधीश एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश टीकमगढ़/जतारा/निवाड़ी (म०प्र०)
9. प्रभारी अधिकारी, (फाईलिंग काउन्टर) टीकमगढ़/जतारा/निवाड़ी/ओरछा
10. मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी/अति. मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी टीकमगढ़
11. समस्त व्यवहार न्यायाधीश करिष्ठ खण्ड टीकमगढ़/जतारा/निवाड़ी/ओरछा
12. रजिस्ट्रार, सिविल कोर्ट, टीकमगढ़
13. न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय टीकमगढ़/निवाड़ी
14. समस्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड टीकमगढ़/जतारा/निवाड़ी/ओरछा
15. समस्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड (प्रशिक्षु न्यायाधीश) टीकमगढ़
16. प्रस्तुतकार, न्यायालय-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश टीकमगढ़ (म०प्र०)
17. अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ, टीकमगढ़ (म०प्र०)
18. अध्यक्ष अभिभाषक संघ जतारा/निवाड़ी/ओरछा जिला टीकमगढ़ (म०प्र०)
19. प्रशासनिक अधिकारी/उप प्रशासनिक अधिकारी-प्रथम/द्वितीय, कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़
20. जूनियर सिरटम एनालिस्ट, कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, टीकमगढ़ (म०प्र०)
21. संबंधित श्री
- क. 7 लगायत 21 की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु ई-मेल के माध्यम से प्रेषित।
22. प्रभारी अधिकारी कम्प्यूटर अनुभाग, टीकमगढ़ की ओर इस निर्देश के साथ प्रेषित कि वे उक्त आदेश को संबंधित उक्त अधिकारीगण की ओर ई-मेल के माध्यम से अविलंब प्रेषित करावे तथा जिला न्यायालय टीकमगढ़ की वेबसाईट पर अविलंब अपलोड करावे।

संलग्न- विविध आदेश



(हितेन्द्र सिंह सिसोदिया)
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
टीकमगढ़ (म०प्र०)